छह माह में एक बार जरूर कराएं दांतों की जांच

हेलो जागरण

- बच्चे को बोतल से दूध पिलाने के थोड़ी देर बाद कुल्ला जरूर कराएं
- दांत संबंधी तकलीफ में राहत देने को दिए टिप्स

दैनिक जागरण के हेलो जागरण कार्यक्रम में पाठकों की दंत संबंधी समस्याएं सुन कर फोन परामर्श देते डा. कपिल गांधी।

जागरण संवाद केंद्र, फरीदाबाद : दांतों की सुरक्षा के लिहाज से हर छह महीने बाद दांतों की जरूर करानी चाहिए। लापरवाही बरतने के कारण ही मसूड़ों से खून बहना, मसूड़े फूल जाना तथा दांतों के कमजोर होने की शिकायतें आती हैं। बच्चे को बोतल से दूध पिलाने के थोड़ी देर बाद कुल्ला जरूर करा लेना चाहिए। ये परामर्श दंत रोग विशेषज्ञ डा. कपिल गांधी ने उन पाठकों को दिए, जिन्होंने दांत संबंधी समस्याएं हेलो जागरण में रखीं।

'दैनिक जागरण' की ओर से सोमवार को आयोजित हेलो जागरण कार्यक्रम में एलाइड मेडिकल सर्विसिस, परफेक्ट वेलनस प्रा. लि. के दंत रोग विशेषज्ञ डा. कपिल गांधी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। डा. गांधी ने दांतों संबंधी तकलीफ से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मसूड़ों की सफाई न करने से बढ़ती है दिक्कतें : दंत रोग विशेषज्ञ दंत विशेषज्ञ डा. कपिल गांधी ने कहा कि मसूड़ों की सफाई न होने से कई बार मुंह से बदबू भी आने लगती है। हार्मोन चेंज होने के चलते महिलाओं में दांत संबंधी तकलीफ अधिक होती है। मसूड़ों की सफाई न होने के कारण दांत हिलने, कमजोर होने तथा फिर मसूड़ों में सूजन भी आ जाती है। दांतों की बीमारियों में पायरिया प्रमुख है। यदि समय पर दांतों की जांच कराई जाए तो दांतों की तकलीफ से बचा जा सकता है। कई बार बच्चे चॉकलेट, टॉफी खाते हैं, लेकिन मुंह की सफाई नहीं करते। इस तरह दांतों में कीड़ा लग जाता है। ध्यान रहे कि बच्चे के दांतों की सुरक्षा के लिए चॉकलेट खान के बाद मुंह जरूर साफ करवाएं।